

### बिबरुद्ध

समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों को सस्ती दरों पर अखबारी कागज उपलब्ध कराने के लिए निम्नलिखित कार्रवाई की गई है :—

(1) अखबारी कागज पर 5 प्रतिशत आयात शुल्क हटा लिया गया है जिसके फलस्वरूप आयातित अखबारी कागज 200 रुपए प्रति मीट्रिक टन सस्ता है।

(2) हाई सी बिक्री के आधार पर अखबारी कागज, जिसका मूल्य बफर स्टॉक के अखबारी कागज के मूल्य से कम है, के आयात की न्यूनतम मात्रा 25 मीट्रिक टन से घटाकर 10 मीट्रिक टन कर दी गई है। इस प्रकार हाई सी बिक्री मूल्य का लाभ विशेषकर छोटे समाचारपत्रों को मिला है।

(3) अखबारी कागज आर्बंटन नीति 1977-1978 के अनुसार उन समाचारपत्रों, जिनकी हफ्तवारी प्रतिवर्ष 300 मीट्रिक टन तक है, को यह विकल्प दिया गया है कि वे अपनी समूची आरकत की पूर्ति लिए नेपा अखबारी कागज, जो सस्ती दरों पर उपलब्ध है, ले सकते हैं।

(4) राज्य व्यापार निगम, जो अखबारी कागज का आयात करता है, अनुकूल मूल्यों पर दीर्घकालिक अनुबंध कर सका है।

### Setting up of 200 Mini Cement Plants

1363. SHRI SAUGATA ROY: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government plan to set up 200 mini cement plants in Public and Private sector;

(b) if so, details of the plan; and

(c) reaction of the private sector to the plan?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) to (c). One of the several measures under consideration of the Government to increase cement production rapidly in the country is the setting up of mini cement plants, especially in remote or backward areas and for working smaller deposits of limestone. The Cement Research Institute has identified 43 potential sites in 19 States for establishment of mini cement plants. The Cement Research Institute has already taken up the preparation of a Detailed Project Report for the establishment of a mini cement plant at Nimi in Nagaland. Government are also evaluating an offer of technical know-how received from West Germany for a new mini cement plant process. The reaction of the Private Sector to the concept of the mini cement plants is favourable.

### Cyclotron Atom Smasher at Calcutta

1364. SHRI SHANKERSINHJI VAGHELA: Will the Minister of ATOMIC ENERGY be pleased to state:

(a) the stage at which the commissioning of Rs. 10 crore Cyclotron Atom Smasher of Calcutta stands at present;

(b) the position regarding availability of electricity to the cyclotron facility;

(c) whether the stable power is not available; and

(d) if so, the reaction of Government and efforts made to improve the situation?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) The variable Energy Cyclotron became operational on 18th June, 1977 when the internal beam was obtained. A further programme to obtain the external beam is now taken up.

(b) As stable and uninterrupted power supply is not available in the Salt Lake Area during day time,

arrangements are being made with West Bengal State Electricity Board to lay separate underground cable from the sub-station to the Cyclotron facility. This work is expected to take 12-18 months. The power supply position is likely to improve after that.

#### Multi-Purpose Geo-Stationary Satellite

1365. SHRI O. P. TYAGI: Will the Minister of SPACE be pleased to state:

(a) whether it has been decided to buy a multi-purpose geo-stationary satellite to be called the Indian National Satellite (INSAT-1);

(b) what purpose will this satellite serve; and

(c) what will be its price?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) Yes, Sir.

(b) Initially, the satellite will be used mainly for telecommunications and meteorology services. It shall also have television programme distribution and broadcasting capabilities.

(c) The price will be known only after tenders are received and evaluated.

#### अन्तर्जातीय विवाह के लिये प्रोत्साहन

1366. श्री ओ०पी० स्यामी :

श्री हुकूम देव नारायण यादव :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जाति प्रथा को, जो अस्पृश्यता आदि जैसी सामाजिक बुराइयों का मूल कारण है, समाप्त करने के लिये सरकार का विचार अन्तर्जातीय विवाह करने वाले युवकों को सरकारी स्तर पर किसी प्रकार का प्रोत्साहन देने का है ; और

(ख) यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है ?

गृह मंत्री (श्री चरण सिंह): (क) इस समय केन्द्र के पास कोई ऐसा प्रस्ताव विचारधीन नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

श्यामलाल डिग्गी कालेज, दिल्ली के सामने रेलवे अंडर ब्रिज के नीचे यातायात

1367. श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : क्या नौबहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली में श्यामलाल डिग्गी कालेज के सामने रेलवे अंडरब्रिज के नीचे से ट्रक, बसों आदि यातायात का गुजरना आरम्भ हो गया है ;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) पुल के नीचे से सड़क यातायात कब से गुजरने लगेगा और सड़क आदि के शेष निर्माण कार्य को कब तक पूरा कर दिया जाएगा ?

नौबहन और परिवहन मंत्रालय में प्रभारी राज्य मंत्री (श्री बाबू राम): (क) जी नहीं।

(ख) इस पुल के पश्चिम की ओर के पहुंच मार्ग पर कार्य पुल और जी टी गाजियाबाद सड़क के बीच कुछ थोड़ी सी भूमि की अनुपलब्धता के कारण रुका हुआ है। इस जमीन के अधिभोक्ताओं ने दिल्ली सेशन कोर्ट में अपील की है।

(ग) यह जी० टी० गाजियाबाद सड़क के किनारे भूमि की उपलब्धता पर निर्भर करता है जो दूसरी ओर इस बात पर निर्भर करता है कि सेशन कोर्ट मामले में कब निर्णय देता है और वह निर्णय क्या होता है।